

फर्द अहकाम

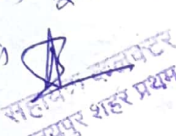
श्रीगणेश बनाम शशिधराम
 (शशिधराम अहकाम) जयपुर
 एफ - 2912017

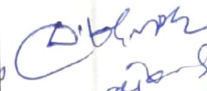
क आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
----------------------	----------------------	-------------

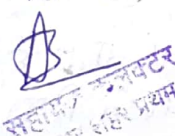
आज दिनांक 27/10/2020 को पत्रावली पेश हुई
 पी.ओ.स. अलकाश/अन्य राजकार्य पर/कठोलेंस है।
 अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 03/12/2020 को पेश हो।

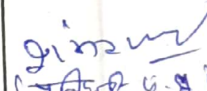
आज दिनांक 03/12/2020 को पत्रावली पेश हुई
 पी.ओ.स. अलकाश/अन्य राजकार्य पर/कठोलेंस है।
 अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 11/12/2020 को पेश हो।


आज दिनांक 11/12/2020 को पत्रावली पेश हुई
 पी.ओ.स. अलकाश/अन्य राजकार्य पर/कठोलेंस है।
 अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 21/12/2020 को पेश हो।

21/12/2020 पत्रावली (पृष्ठ 2) की अन्तिम समय तक
 पत्रावली द्वारा वाद के लिये दिनांक 24/12/2020 को
 पेश हो।

 जयपुर शहर प्रथम

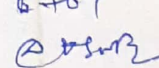

 Dheeraj Kumar
 Adv
 for Def No- 649

24/12/2020 पत्रावली (पृष्ठ 6) की अन्तिम समय तक
 पत्रावली द्वारा वाद के लिये दिनांक 28/12/2020 को
 पेश हो।

 जयपुर शहर प्रथम


 (अन्तिम पृष्ठ)


 वाकी दिशि पेश

12-1-21 पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष
 अस्थित हमरज में दिनांक 24-12-20
 उभय पक्षों की बहस सुनी गई थी वकील
 उभयपक्षों ने सहमति के आधार पर हमरज
 में प्रारम्भिक डिस्मिस कराने एवं वाद
 के निर्विग्रह तम उभयपक्षों के अस्थाई
 निर्बंधात्रा से मानक करने हेतु निवेदित

Def no 1 & 3 have
 got leave to Def no
 649




फर्द अहकाम

बनाम राज्येश्वर

नाम न्यायालय

सीताम
DCM 1

केस संख्या

71 - 29/2017

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	आज्ञा या कार्यवाही
		<p>विश्रुत गया था। अतः वकील उभयपक्षों की आपसी सहमती के आधार पर प्रकरण में वाद के निस्तारण ना होने तक उभय पक्षों को अस्थाई निषेधाज्ञा से माबूद किया जाना उचित समझते हैं। अतः वकील उभयपक्षों को निर्देशित किया जाता है कि वाद के निस्तारण तक सभी मतभेदों का विवादग्रस्त भूमि खाता १०.५० व फुलना खाता १०.०५ की आशपी १०.५० ११२६ रकबा ०.११ बिस्ता १०.५० ११२७ रकबा ०.०१ बिस्ता कुल कित २ कुल रकबा ०.१२ बिस्ता ग्राम मत्तार पत्तार ६६५ पत्तार ७२०० निरीक्षण क्षेत्र मालवाड ता ६६ पत्तार में उभयपक्षों के वाद के निमित्त तक अस्थाई निषेधाज्ञा से माबूद किया जाता है। यह किसी भी प्रकार का रायस्वत रिमांड एवं मॉर्के पर निर्माणा कार्य नहीं करेगा। मत्तार वली धर्म १० से कम होकर फौसल शुमार होकर शखिल दफतर है।</p>	

सहायक जज
जयपुर जज प्रथम